मंगलवार
31 मई 2022

पृष्ठ 4

दो गुना तेजी से बढ़ेंगे बाल, ले इन 5 घरेलू हेयर मास्क की मदद

पृष्ठ 5

इश्क पश्मीना से डेब्यू करेंगी मालती

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 119
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस प्रकार मैले दर्पण में सूरज का प्रतिबिंब नहीं पड़ता उसी प्रकार मलिन अंतःकरण में ईश्वर के प्रकाश का प्रतिबिंब नहीं पड़ सकता।

– रामकृष्ण परमहंस

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चंपावत चुनाव: मतदाताओं में दिखा भारी उत्साह

विशेष संवाददाता

चंपावत। चंपावत विधानसभा सीट पर आज होने वाले मतदान को लेकर क्षेत्र के मतदाताओं में भारी उत्साह देखा गया है। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदान के लिए लंबी-लंबी कतारें लग गई थी पहले 3 घंटे में 33.96 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जो दोपहर 1 बजे तक 46 फीसदी के करीब पहुंच चुका था। जो उपचुनाव के मद्देनजर अत्यंत ही बेहतर माना जा रहा है वोटिंग शाम 5 बजे तक होनी है। भाजपा नेताओं का कहना है कि चंपावत उपचुनाव में रिकार्ड मतदान होगा और एक नया इतिहास लिखा जाएगा।

खटीमा सीट से चुनाव हार चुके सीएम धामी जो इस सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं किसी तरह की कोई कमी छोड़ना नहीं चाहते हैं। सुबह पूजा पाठ के बाद वह टनकपुर और बनवासा क्षेत्र में निकल पड़े और कई मतदान केंद्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेते दिखे इस दौरान उन्होंने कई मतदाताओं के साथ सेल्फी भी ली तथा लोगों से शत-प्रतिशत

❑11 बजे तक 34, 1 बजे तक 46 फीसदी मतदान
❑सीएम ने की शत प्रतिशत वोटिंग की अपील

मतदान करने की अपील भी की। चंपावत क्षेत्र में आज बारिश और बूंदाबांदी के बीच चल रहे मतदान के लिए मौसम भी मुफीद बना हुआ है।

आमतौर पर देखा जाता है कि उपचुनाव में मतदान का प्रतिशत बहुत कम रहता है लेकिन चंपावत उपचुनाव में मतदाताओं का जो उत्साह देखा जा रहा है उससे इस बात के संकेत मिलते हैं कि मतदान का प्रतिशत मुख्य चुनावों से भी बेहतर रहेगा। 11 बजे तक 34 फीसदी मतदान हो चुका था जो 1बजे तक 46 फीसदी तक पहुंच गया समाचार लिखे जाने तक (3 बजे) जिसके 55 फीसदी होने की संभावना है। मतदान 5 बजे तक होगा और इसके 65 से 70 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। चंपावत

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

चंपावत के विकास के लिए छोड़ी विधायकी

चंपावत। चंपावत उपचुनाव के दौरान हर मंच और कार्यक्रम में साए की तरह सीएम धामी के साथ रहे निवर्तमान विधायक कैलाश गहतोड़ी आज मतदान के दिन भी उनके साथ रहे। पत्रकारों ने जब उनसे बात की तो उन्होंने कहा कि धामी के छह माह के कार्यकाल से प्रभावित होकर और चंपावत के विकास की इच्छा के कारण उन्होंने विधायकी छोड़ी है। धामी की जीत के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जीत का नया रिकॉर्ड बनाएंगे यह आपको मतदाताओं के उत्साह से ही साफ दिख रहा होगा।

कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला ने दी डीएम आवास पर धरने की धमकी

विशेष संवाददाता

चंपावत। चंपावत उपचुनाव में कांग्रेस की टिकट पर सीएम पुष्कर सिंह धामी के खिलाफ चुनाव लड़ने वाली निर्मला गहतोड़ी ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर चुनाव में धांधली के आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा है कि अगर उनकी शिकायत को नहीं सुना गया और कार्यवाही नहीं की गई तो वह डीएम कार्यालय पर धरने पर बैठ जाएंगी।

निर्मला गहतोड़ी आज चंपावत में अपना वोट डालने के बाद क्षेत्र में भ्रमण पर निकली और उन्होंने कई मतदान केंद्रों पर जाकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान देखा कि कई मतदान केंद्रों पर उनके बूथ एजेंट गायब थे। पता करने पर उन्हें बताया गया कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उन्हें डरा धमका कर भगा दिया है। कई मतदान केंद्रों पर उन्होंने देखा कि भाजपा की बूथ एजेंट मतदान केंद्रों के अंदर भी आ जा रहे हैं। जिस पर उन्होंने वहां मौजूद चुनाव अधिकारियों से पूछा कि वह भाजपा के चुनाव एजेंटों को मतदान केंद्रों के अंदर

❑भाजपा कार्यकर्ताओं पर लगाए धांधली के आरोप

क्यों आने दे रहे हैं।

निर्मला गहतोड़ी ने भाजपा पर चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाते हुए कई मतदान केंद्रों पर चुनाव रोकने और पुनः मतदान कराने की मांग जिलाधिकारी से की है। निर्मला गहतोड़ी का कहना है कि भाजपा और जिला प्रशासन अगर यह मान रहा है कि मैं एक महिला हूं और मैं कुछ नहीं कर सकती तो यह गलत है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि या तो वह उनकी शिकायत पर कार्रवाई करें अन्यथा वह डीएम कार्यालय पर धरने पर बैठ जाएंगी उधर भाजपा के नेताओं का कहना है कि उनके आरोप बेबुनियाद हैं उनके कार्यकर्ता

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

आतंकियों ने कुलगाम में स्कूल में घुसकर हिन्दू शिक्षिका को मारी गोली

जम्मू । केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में मंगलवार को आतंकियों ने एक बार फिर आम लोगों को अपना निशाना बनाया है। बता दें कि, आतंकियों ने कुलगाम जिले में हिंदू महिला शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि, आतंकवादियों ने जम्मू संभाग के सांबा जिले की अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाली हिंदू शिक्षिका रजनी को कुलगाम जिले के गोपालपोरा हाई स्कूल में गोली मार दी। मई के शुरुआत में भी एक कश्मीरी पंडित की कार्यालय में घुसकर की थी हत्या। कुलगाम जिला अस्पताल के एक वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा कि महिला को अस्पताल में मृत लाया गया था। इसके बाद हत्यारों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। आपको बता दें कि, इससे पहले आतंकियों ने १२ मई को बडगाम के चाडूरा में तहसील ऑफिस में राहुल भट्ट नाम के एक कर्मचारी कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

इसके अलावा पिछले २४ घंटे में सुरक्षा बलों ने पुलवामा और अवंतीपोरा इलाके में हुई मुठभेड़ में चार आतंकियों को ढेर किया है। पुलिस ने बताया कि, मारे गए आतंकियों के पास से दो एके–४७ समेत आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है।

देश में पिछले 24 घंटे में आए 2,338 नए केस, 19 मरीजों की हुई मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामलों में कई दिनों से तीन हजार से कम मामले सामने आ रहे हैं। वहीं देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर १७ हजार ८८३ रह गई है। देश में पिछले २४ घंटे में २ हजार ३३८ केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की सख्या ४,३१,५८,०८७ हो गई है।

१६ मरीजों की हुई है मौत

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के २,३३८ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, १६ और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२४,६३० हो गयी है। इसके अलावा देश में कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर १७,८८३ हो गई है, जो कुल मामलों का ०.०४ प्रतिशत है। जबकि संक्रमण से मुक्त

होने वालों की राष्ट्रीय दर ६८.७४ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में १८५ की वृद्धि हुई है।

अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण की दैनिक दर ०.६४ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.६ प्रतिशत है। देश में पिछले २४ घंटे में २,१३४ लोग महामारी से ठीक हो चुकें हैं और अब तक कुल ४,२६,१५,५७४ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं,। वहीं, देशव्यापी कोविड–१६ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक लोगों को १६३.४५ करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी हैं। इसके अलावा देश भर में कुल ३,६३,८८३ टेस्ट किए गए, जिससे टेस्ट की कुल संख्या बढ़कर ८५.०४ करोड़ से अधिक हो गई।

वहीं अब देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या ५ लाख २४ हजार ६३० है। वहीं महाराष्ट्र में स्थिति गंभीर होती जा रही है। पिछले २४ घंटे में कोरोना के ४३१ नए मामले सामने आए हैं। हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी की मौत नहीं हुई। महाराष्ट्र में एक्टिव मरीजों की संख्या ३ हजार १३१ है। जबकि पॉजिटिविटी रेट ३.०१ फीसदी है। वहीं राजधानी दिल्ली में कोरोना के २१२ नए मामले सामने आए हैं, जबकि एक मरीज की मौत हो गई। दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट २.४२ फीसदी है। वहीं सक्रिय मरीजों की संख्या १४८६ है। इसके अलावा कर्नाटक में ११६ नए संक्रमित मिले हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

बेटियों के हौसलों की उड़ान

हम बीते कई दशक से महिला सशक्तिकरण जैसे शब्दों को सुनते आ रहे हैं। कभी राजनीति में महिलाओं के आरक्षण के नाम पर यह मुद्दा चर्चाओं के केंद्र में होता है तो कभी सेनाओं में महिलाओं को कमीशन दिए जाने के मुद्दे पर इस विषय पर चर्चा होती है। इस आधी आबादी को अपना अस्तित्व स्थापित करने के लिए दुनिया भर में पुरुष प्रधान समाज से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से तमाम मोर्चों पर जंग लड़नी पड़ रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि आज भारत सहित अनेक देशों में महिलाओं ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति से स्वयं की शक्ति का लोहा मनवाने में कामयाबी हासिल की है लेकिन अभी भी अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे कई देश हैं जहां वह अपने मूल अधिकारों से भी वंचित हैं। अभी 4 दिन पूर्व भारत की लेखिका गीतांजलि श्री को विश्व का सर्वोच्च साहित्य पुरस्कार बुकर से सम्मानित किया गया। एक हिंदी उपन्यास रेत समाधि के लिए एक भारतीय महिला को मिले इस सम्मान से महिलाओं को कितनी शक्ति मिली, अलग बात है लेकिन यह महिला सशक्तिकरण के पथ पर एक ऐसा हस्ताक्षर है जिस पर कोई भी महिला गर्व कर सकती है। हिंदी साहित्यकारों की सूची में महादेवी वर्मा से लेकर गीतांजलि श्री तक अनेक बड़े नाम हैं। आज सेवा क्षेत्र में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां महिलाओं ने अपने सशक्तिकरण का प्रदर्शन न किया हो। बाद चाहे कल्पना चावला की हो सुषमा स्वराज की। मिताली राज की हो या सानिया मिर्जा की, सुष्मिता सेन की हो या कंगना रनौत की अथवा निर्मला सीतारमण की। महिलाओं द्वारा हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई गई है। बीते कुछ दशकों से हम हर बार जब बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम आते हैं तो लड़कियों ने फिर बाजी मारी या लड़किया फिर लड़कों से अव्वल रही जैसी हैडलाइन समाचारों में पढ़ते और सुनते आ रहे हैं। बीते कल यू पी एस (संघ लोक सेवा आयोग) 2021 का परिणाम घोषित हुआ है। इस परीक्षा में पहले तीन स्थानों पर लड़कियां आगे रही। बेटियों ने इस सिविल सेवा परीक्षा में वरीयता सूची में पहले तीन स्थानों पर अपना रुतबा कायम करते हुए महिला सशक्तिकरण का नया इतिहास रच डाला है। इसमें चयनित कुल 685 अभ्यर्थियों में 175 छात्राएं हैं जो कुल सफल अभ्यार्थियों का 26 फीसदी है। भले ही हम उन्हें आजादी के 25 साल बाद भी राजनीति में आरक्षण के मुद्दे पर अड़ंगेबाजी करते रहे हो लेकिन आज देश की बेटियां अपनी मेहनत और हौसलों के दम पर लंबी उड़ान भर रही हैं यह ना समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत ही सुखद एहसास है। आज बेटियां हवाई जहाज उड़ा रही हैं खेत में ट्रैक्टर और सड़कों पर ट्रक स्टेरिंग थामना उन्होंने सीख लिया है। सेना की वर्दी पहन कर मशीनगन थामें सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने का साहस अगर वह कर रही है तो तब उन्हें उड़ान भरने से भला कौन रोक सकता है। यूपीएस की परीक्षा में सफलता हासिल करने वाली सभी बेटियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

दुर्गा वाहिनी के वर्ग में आत्मरक्षा के गुर सीखेंगी बहन

संवाददाता

देहरादून। दुर्गा वाहिनी का एक सप्ताह का शौर्य प्रशिक्षण शिविर आज से शुरू हुआ। आज यहां दुर्गावाहिनी का शौर्य प्रशिक्षण वर्ग रुड़की के वासुदेव लाल मैथिली सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में लगेगा। इसमे समस्त उत्तराखंड की बहनें शामिल हो रही हैं। इस वर्ग में शामिल होने के लिए देहरादून जिले से बहनें आज रवाना हुई। जिन्हें सम्मान व शौर्य के साथ माल्यार्पण व तिलक कर जयघोष कर बस स्टैंड देहरादून से वर्ग में भेजा गया। दुर्गावाहिनी का राज्य स्तरीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग 31 मई में 6 जून तक चलने वाले इस वर्ग मे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व विश्व हिदू परिषद से जुड़े लोग इस दौरान प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन करेंगे। इस प्रशिक्षण वर्ग (शिविर) का समापन 6 जून को होगा। इसमें 15 से 35 वर्ष की उम्र की बहन-बेटियां शामिल हो सकती हैं। इस राज्य स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग में एक ओर जहां संस्कार व संस्कृति से जुड़ी सनातन परंपराओं का ज्ञान दिया जाएगा वहीं दूसरी ओर आत्मरक्षा के लिए जूड़ो-कराटे व दंड युद्ध जैसी कई विद्याओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। दुर्गावाहिनी विहिप-बजरंग दल की महिला इकाई है तथा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व इसके सहयोगी संगठनों की तरह हर वर्ष इसी तरह का राज्य स्तरीय वर्ग आयोजित किया जाता है। आरएसएस में प्रशिक्षण वर्ग नियमित प्रक्रिया है। इस आयोजन में विहिप के ही सहयोगी संगठन मातृशक्ति की भी अहम भूमिका रहेगी। जूडो-कराटे व योग के अलावा बहन-बेटियों को लक्ष्यभेद, नियुद्ध व बाधा दौड़ का प्रशिक्षण मिलेगा। खेल तथा बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रशिक्षु सफेद कुर्ता व सलवार, केसरिया रंग का दुपट्टा व सफेद रंग के जूते-जुराब पहनेंगी। विभाग संयोजिका दिव्या नेगी जी के सानिध्य में देहरादून से बालिकाओं को रवाना कर किया गया जिसे दुर्गा वाहिनी की पूर्व संयोजिका भावना शर्मा, बजरंग दल प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख विकास वर्मा, विहिप विभाग मंत्री राजेंद्र राजपूत, महानगर संगठन मंत्री अमित कुमार, विहिप महानगर मंत्री श्याम शर्मा, सेवा प्रमुख हरीश कोहली, आलोक सिन्हा , महानगर उपाध्यक्ष नरेंद्र चौहान, खंड अध्यक्ष नीरज रस्तोगी रहे।

सत्ता ही सत्य, ईश्वर मिथ्या है

वेद प्रताप वैदिक

ज्ञानवापी की मस्जिद की हर गुंबद के नीचे कुछ न कुछ ऐसे प्रमाण मिल रहे हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि वह अच्छा-खासा मंदिर था। यही बात मथुरा के श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर लागू हो रही है। छोटी और बड़ी अदालतों में मुकदमों पर मुकदमे ठोक दिए गए हैं। अदालतें क्या करेंगी? वे क्या फैसला देंगी? क्या वे यह कहेंगी कि इन मस्जिदों को तोडक़र इनकी जगह फिर से मंदिर खड़े कर दो?

फिलहाल तो वे ऐसा नहीं कह सकतीं, क्योंकि 1991 में नरसिंहराव सरकार के दौरान बना कानून साफ-साफकहता है कि धर्म-स्थलों की जो स्थिति 15 अगस्त 1947 को थी, वह अब भी जस की तस बनी रहेगी। जब तक यह कानून बदला नहीं जाता, अदालत कोई फैसला कैसे करेगी? अब सवाल यह है कि क्या नरेंद्र मोदी सरकार इस कानून को बदलेगी? वह चाहे तो इसे बदल सकती है। उसके पास संसद में स्पष्ट बहुमत है।

देश के कई अन्य दल भी उसका साथ देने को तैयार हो जाएंगे। इसीलिए तैयार हो जाएंगे कि सभी दल बहुसंख्यक हिंदुओं के वोटों पर लार टपकाए रहते हैं। संप्रदायवाद की पकड़ भारत में इतनी जबर्दस्त है कि वह जातिवाद और वर्ग चेतना को भी परास्त कर देती है। यदि ऐसा हो जाता है और धर्म-स्थलों के बारे में नया कानून आ जाता है तो फिर क्या होगा?

फिर अयोध्या, काशी और मथुरा ही नहीं, देश के हजारों पूजा स्थल आधुनिक युद्ध-स्थलों में बदल जाएंगे। कुछ लोगों का दावा है कि भारत में लगभग 4०,००० मंदिरों को तोडक़र मस्जिदें बनाई गई हैं। देश के कोने-कोने में कोहराम मच जाएगा। हर वैसी मस्जिद को बचाने में मुसलमान जुट पड़ेंगे और उसे ढहाने में हिंदू डट पड़ेंगे। तब क्या होगा? तब शायद 1947 से भी बुरी स्थिति पैदा हो सकती है। सारे देश में खून की नदियां बह सकती हैं। तब देश की जमीन के सिर्फदो टुकड़े हुए थे, अब देश के दिल के सौ टुकड़े हो जाएंगे।

उस हालत में अल्लाह और ईश्वर दोनों बड़े निकम्मे साबित हो जाएंगे, क्योंकि जिस मस्जिद और मंदिर को उनका घर कहा जाता है, वे उन्हें ढहते हुए देखते रह जाएंगे। उनका सर्वशक्तिमान होना झूठा साबित होगा। अगर वे मंदिर और मस्जिद में सीमित हैं तो वे सर्वव्यापक कैसे हुए? उनके भक्त उनके घरों के लिए आपस में तलवारें भांजें और उन्हें पता ही न चले तो वे सर्वज्ञ कैसे हुए?

मंदिर और मस्जिद के इन विवादों को ईश्वर या अल्लाह और धर्म या भक्ति से कुछ लेना-देना नहीं है। ये शुद्ध रूप से सत्ता के खेल हैं। सत्ता जब अपना खेल खेलती है तो वह किस-किस को अपना गधा नहीं बनाती है? वह धर्म, जाति, वर्ण, भाषा, देशकृ जो भी उसके चंगुल में फंस जाए, वह उसी की सवारी करने लगती है। इसीलिए शंकराचार्य के कथन ब्रह्मसत्यम् जगन्मिथ्या को मैं पलटकर कहता हूं, सत्तासत्यम् ईश्वरमिथ्या।

फिर शुरू किसान आंदोलन

किसानों को संभवतरू यह महसूस हुआ है कि उनके पास अपनी मांगें मनवाने का एक कारगर मॉडल है। एक समय आम आदमी पार्टी ने इस मॉडल का समर्थन किया था। लेकिन अब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि किसानों का आंदोलन गैर-जरूरी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को अब अहसास हुआ होगा कि सत्ता में ना रहने पर समाज के किसी भी वर्ग के असंतोष और आंदोलन का समर्थन करना कितना आसान होता है। उधर पंजाब के किसानों को भी यह अहसास हो रहा है कि कोई पार्टी सिर्फनाम रख लेने भर से आम आदमी की समर्थक नहीं हो जाती। इन अहसासों का कारण पंजाब खड़ा हुआ ताजा टकराव है। पंजाब के सैकड़ों किसान अब राज्य के बाहरी इलाके चंडीगढ़ बॉर्डर पर जुट गए हैं। उनका ये जुटाव उसी तर्ज

पर है, जिसके जरिए उन्होंने केंद्र सरकार को तीन कृषि कानूनों को वापस लेने पर मजबूर किया था। इस बार उनकी एक मांग गर्मी के कारण गेहूं की फसल की बर्बादी झेलने वाले किसानों को 5०० रुपये प्रति क्विंटल का मुआवजा देने की है। उनकी अन्य प्रमुख मांगों में मक्का, बासमती और मूंग की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा शामिल है, जिसका चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने वादा किया था। किसानों को इस बात पर भी आपत्ति है कि राज्य सरकार ने अचानक 18 जून से धान की रोपाई शुरू करने का आदेश जारी कर दिया। मंगलवार को किसानों ने पंजाब सरकार के खिलाफ मार्च निकाला और चंडीगढ़ की ओर जाने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें आगे बढऩे से रोक दिया। जिसके बाद किसान चंडीगढ़-मोहाली सीमा पर ही धरना देकर बैठ गए। इसके पहले पिछले हफ्ते पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह के साथ किसान यूनियन की बातचीत विफल हो गई थी। उसके बाद यूनियन नेताओं ने धरने की घोषणा की थी। धरने पर बैठे किसान अपने साथ राशन, गैस सिलेंडर, खाना पकाने का सामान, बिस्तर और कूलर लेकर आए हैं। जाहिर है, उनका इरादा लंबे समय तक डेरा डालने का है। किसानों को संभवतरू यह महसूस हुआ है कि उनके पास अपनी मांगें मनवाने का एक कारगर मॉडल है। एक समय आम आदमी पार्टी ने इस मॉडल का समर्थन किया था। लेकिन अब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि किसानों का आंदोलन गैर-जरूरी है। अब अगर किसान इसे वादाखिलाफी मान रहे हों, तो इसके लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराया जा सकता।(आरएनएस)

स सुक्रतुर्यो वि दुरः पणीनां पुनानो अर्कं पुरुभोजसं नः
होता मन्द्रो विशां दमूनास्तिरस्तमो ददृशे राम्याणाम्।।
(ऋग्वेद ७-९-२)

एक आदर्श शासक सर्वदा महान कार्य करने वाला हो। वह सूर्य के समान हो। वह बंद द्वारों को खोलकर प्रकाश का प्रवेश करा, अंधकार को भगाने वाला हो। वह प्रकृति के उपहारों को सब तक पहुंचाने वाला हो। वह सभी को आनंद प्रदान करने वाला हो। ऐसा शासक होना चाहिए।

The ruler should be the doer of noble deeds. He should be like the sun. Likewise, he should be the one who removes the darkness by opening the closed doors and allowing the light to enter. Not only that, but he should be the one to bring the bounties of nature to all. Furthermore, he should bring joy to all. A ruler should have all these qualities. (Rig Veda 7-9-2)

एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर से निकाले पांडवसेरा में फंसे ट्रैकर

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। मद्महेश्वर-पांडवसेरा ट्रैक में फंसे 7 ट्रैकर एवं पोर्टरों को सोमवार को सुरक्षित निकाल दिया गया। एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू करते हुए सभी 7 लोगों को पांडवसेरा से गौचर हेलीपैड लाया गया। जहां से उन्हें आईटीबीपी गौचार के अस्पताल में रखा गया। सभी ट्रैकर सुरक्षित हैं। ला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि 28 मई को जिला आपदा प्रबंधन परिचालन केंद्र को सूचना मिली है कि पांडवसेरा सेरा ट्रैक पर कुछ ट्रैकर फंसे हुए हैं। सूचना जिलाधिकारी को दी गई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी को राहत व बचाव की जिम्मेदारी दी गई।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में स्थानीय लोगों से संपर्क किया गया और जानकारी मिली कि पांडवसेरा ट्रैक पर कुछ ट्रैकर व पोर्टर गए हैं। साथ ही उनसे सम्पर्क किया गया तो जानकारी मिली कि फंसने वालों में ट्रैकर श्रीनिवासन निवासी गाजियाबाद उ.प्र. अजय सिंह निवासी गोरखपुर, अजय नेगी निवासी पौड़ी उत्तराखंड तथा रांसी रुद्रप्रयाग निवासी पोर्टर अरविन्द नेगी, प्रेम सिंह, राकेश और नारायण सिंह शामिल हैं। शुक्रवार को एसडीआरएफकी टीम को रेस्क्यू करने के लिए चॉपर भेजा गया किंतु मौसम खराब होने के कारण रेस्क्यू नहीं किया जा सका। जबकि सोमवार सुबह एयर फोर्स के दो हैलीकॉप्टर द्वारा सुबह 5.3० बजे रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। जबकि 6.45 बजे सभी ट्रैकरों को पिकअप किया गया।

-विश्व तम्बाकू निषेध दिवस-

पुलिस और नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने निकाली जनजागरुकता रैली

नगर संवाददाता

हरिद्वार। विश्व तंबाकू दिवस के उपलक्ष्य में आज राजकीय नर्सिंग कॉलेज रोशनाबाद के लगभग 180 छात्र-छात्राओं एवं अन्य स्टाफ द्वारा प्रधानाचार्य सुमनलता पाठक के नेतृत्व में अपने शिक्षण संस्थान से रोशनाबाद क्षेत्र एवं पुलिस कार्यालय होते हुए विकास भवन तक जनजागरुकता रैली निकाली गई। पुलिस कार्यालय में क्षेत्राधिकारी हेमेंद्र सिंह नेगी व क्षेत्राधिकारी निहारिका सेमवाल द्वारा अन्य पुलिस स्टॉफ के साथ रैली में प्रतिभाग कर छात्र-छात्राओं उत्साहवर्धन किया गया।

रैली के दौरान छात्रों एंव पुलिस कर्मियों द्वारा स्थानीय जनता को तंबाकू जनित रोगों की जानकारी देते हुए खुद को भी तंबाकू छोड़ने व अपने बच्चों एंव आसपास के लोगों को समय-समय पर इससे होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी प्रदान कर सचेत करने के सम्बन्ध में जागरुक किया गया।

पांच लोगों पर बिजली चोरी का मुकदमा

देहरादून (सं)। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उप संस्थान सहसपुर के अवर अभियंता त्रिभुवन सिंह ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको सूचना मिल रही थी कि ग्राम ढाकी में कुछ लोगों के द्वारा बिजली की चोरी की जा रही है। जिसके बाद उसने छापा मारा तो वहां पर अरविन्द पुत्र सुल्तान सिंह, नरेन्द्र सिंह पुत्र सुल्तान सिह, प्रवीण पुत्र सुल्तान सिंह संसार सिंह पुत्र फकीर चंद व संजय सिंह पुत्र संसार सिंह द्वारा मुख्य लाईन पर कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने भण्डारी बाग के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 54 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम कमल कुमार पुत्र चंदू राम निवासी संजय कालोनी बाल्मीकि बस्ती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नेताजी संघर्ष समिति ने तम्बाकू का सेवन न करने की अपील की

देहरादून (सं)। नेताजी संघर्ष समिति ने तम्बाकू का सेवन ना करने की अपील की। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने तंबाकू निशेध दिवस के अवसर पर इसका सेवन न करने की अपील जनपद की जागरूक जनता से की विदित रहे कि 31 मई को यह दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब लोग तंबाकू का सेवन बंद कर दें तंबाकू के कारण तरह-तरह की बीमारियां हो रही है देखा गया है कि तंबाकू के ऊपर लिखा है कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है लेकिन इसके बाद भी तरह-तरह के गुटके बाजार में आ रहे हैं और लोग खासकर युवा पीढ़ी इसका सेवन कर रही है जो कि एक सोचनीय विषय है। आरिफ वारसी ने कहा कि समाज व घर के बड़े व समजदार लोगों को अपनी युवा पीड़ी व अपने बच्चों को तम्बाकू के सेवन से रोकने में अपना सहयोग देना चाहिए उनको इससे रोकना चाहिए उनमे जागरूकता पैदा करनी चाहिए ये हम सब की जिम्मेदारी है ऐसा करने से ही हमारे बच्चे, देश व समाज मजबूत हो पायेगा। इस मौके पर इन विचारों का समर्थन करने वालों में समिति के प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी,अरुण खरबंदा, राम सिंह प्रधान, प्रदीप कुकरेती ,मनोज सिंघल, सुशील विरमाानी ,नवनीत गुसाईं, विपुल नौटियाल ,राजकुमार बत्रा,प्रवीण शर्मा,दानिश नूर आदि लोग शामिल रहे।

पॉलिटेक्निक कॉलेजों के कोटीकरण पुनर्निर्धारण को मोर्चा ने दी शासन में दस्तक

नगर संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने तकनीकी सचिव रविनाथ रमन से मुलाकात कर पॉलिटेक्निक कॉलेजों एवं प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के कार्मिकों के वार्षिक स्थानांतरण नीति के तहत चिन्हित, निर्धारित सुगम- दुर्गम क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जिस पर रविनाथ रमन ने मामले में परीक्षण कराने के निर्देश दिए गये।

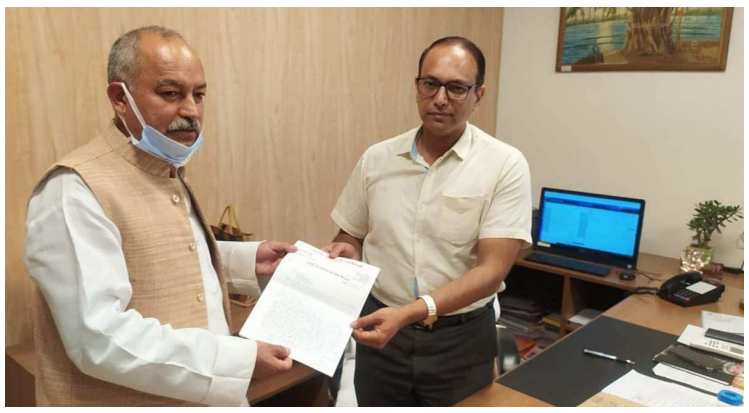

नेगी ने कहा कि लोक सेवकों हेतु वार्षिक स्थानांतरण नीति के तहत राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेजों एवं प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के कार्मिकों के कोटिकरण में अव्यवहारिक परिवर्तन किया गया है, जो किसी भी दृष्टि से व्यवहारिक नहीं है। उन्होने कहा कि जनपद पौड़ी को (नगर पालिका कोटद्वार एवं भाबर क्षेत्र को छोड़कर) दुर्गम क्षेत्र दर्शाया गया है, जबकि श्रीनगर (पौड़ी) में मेडिकल कॉलेज, एनआईटी, सेंटर यूनिवर्सिटी एवं पॉलिटेक्निक निदेशालय नेशनल हाईवे पर स्थित हैं तथा पौड़ी में गढ़वाल कमिश्नरी एवं इंजीनियरिंग कॉलेज है, लेकिन इसको दुर्गम दर्शाया गया है। इसी प्रकार जनपद नैनीताल में उच्च न्यायालय, कुमाऊं कमिश्नरी, कुमाऊं यूनिवर्सिटी आदि विद्यमान हैं, लेकिन इनको भी दुर्गम दर्शाया गया है। जनपद अल्मोड़ा में मेडिकल कॉलेज व जिला मुख्यालय स्थित है, लेकिन इसको भी दुर्गम दर्शाया गया है और इसी कड़ी में जनपद टिहरी मुख्यालय को दुर्गम एवं नरेंद्रनगर टिहरी, जहां पर पांच सितारा होटल मौजूद है, उसको दुर्गम दर्शाया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2018 में इनमें से कई क्षेत्रों को सुगम दर्शाया गया था। अधिकारियों द्वारा अपने खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए इस प्रकार का अव्यवहारिक निर्धारण किया जाता रहा है। नेगी ने कहा कि इस प्रकार के अव्यवहारिक निर्धारण से सिफारिश विहीन कार्मिक निश्चित तौर पर पिसता जा रहा है। साथ ही उन्होने कहा कि मोर्चा को भरोसा है कि शीघ्र ही मामले का निस्तारण होगा।

गांजे के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने आठ किलो गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान हर्रावाला रेलवे स्टेशन पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से आठ किलो गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम दुर्बल सिंह पुत्र प्रदीप शाह निवासी पीली कोठी नहर वाली रोड हर्रावाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

29.9 ग्राम चरस सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर शाम 29.9 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की सप्लाई हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को गांधी चौक के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 29.9 ग्राम चरस बरामद की। कोतवाली लाकर की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम मदन राम पुत्र प्रेम राम निवासी पिथौरागढ बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

संत दर्शन सिंह महाराज की पुण्यतिथि पर छबील का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। सावन कृपाल रूहानी मिशन के संत दर्शन सिह महाराज की पुण्यतिथि पर छबील का आयोजन किया गया।

आज यहां मानव केंद्र सुभाष नगर देहरादून में सावन कृपाल रूहानी मिशन के संत दर्शन सिंह महाराज की पुण्यतिथि पर मानव केंद्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें मुख्य कार्यक्रम छबील मीठा शरबत पिलाने का आयोजन किया गया। देहरादून दिल्ली मार्ग पर सुभाष नगर में स्थित मानव केंद्र के मुख्य द्वार पर प्रात 11 बजे से छबील मीठे शरबत को पिलाने का आयोजन किया गया व मेडिटेशन हॉल में सत्संग और ध्यान अभ्यास का कार्यक्रम हुआ। जिसमें भक्तों ने भजन गीत दर्शन सिंह महाराज द्वारा रचित गजलो और उनके लिए किए गए कायो को याद कर प्रेरणा लेने महाराज को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित की और उसके बाद अटूट लंगर का भी आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम मुख्य द्वार पर सरबत पिलाने का रहा जिसमें राहगीरों के अलावा बसों ट्रकों, विक्रम का दुपहिया वाहनों को रोक रोक कर शरबत पिलाया गया जिसका नेतृत्व मानव केंद्र के जनरल सेक्रेटरी नंदलाल शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर बुजुर्ग महिलाएं युवा सेवादारों द्वारा सेवा की गई जिसमें मुख्य रुप से पीएम चौहान, संजय तोमर, एसके अग्रवाल, छोटेलाल, रोहित कपूर, संजय, केवी थापा, अशोक महिलाओं में श्रीमती नीलम शर्मा, चंद्रकांता, राजकुमारी, अनीता शर्मा, रश्मी, आशा, ममता, शालू, राजबाला, पद्मिनी, बिना खेड़ा, आदि द्वारा सेवा की गई।

बच्चे को बनाना है एक अच्छा इंसान, तो पैरेंट्स उसे जरूर सिखाएं ये 5 शब्द

बच्चे शैतानी करे तो अच्छे है लेकिन बतमीजी करने वाले बच्चे किसी को पसंद नहीं आते। ऐसे में पैरेंट्स की परवरिश पर सवाल उठते है। पैरेंट्स को बच्चों को तमीज या मैनर्स जरूर सिखानी चाहिए। बच्चों का मन और दिमाग कोरे कागज की तरह होता है। आप उस पर जो भी लिखते हैं, वो वैसे ही बन जाते हैं इसलिए आप बच्चे को जो भी सिखाएंगे, वो उसे सीख लेगा। इसलिए पैरेंट्स को बच्चे को अच्छी आदतें सिखाने की ही कोशिश करनी चाहिए। बच्चे को विनम्र और सभ्य बनाकर, आप ना सिर्फउसे एक अच्छा इंसान बनने में मदद कर रहे हैं बल्कि इसका फायदा उसे अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफमें भी होगा। यहां हम आपको कुछ ऐसे शब्द या मैनर्स बता रहे हैं, जिन्हें सीखने पर बच्चे विनम्र और सभ्य बनते हैं। अपने बच्चों को ये मैनर्स जरूर सिखाएं ताकि कल को आप खुद अपनी परवरिश पर गर्व महसूस कर सकें।

नो, थैंक्यू

जब कोई प्यार से आपको कोई चीज या हेल्प ऑफर करता है लेकिन आपको वो चीज नहीं चाहिए होती है तो उसके के लिए सीधे इनकार करने की बजाय विनम्रता के साथ नो, थैंक्यू बोलना है।

येस, प्लीज

जब कोई आपसे किसी चीज की परमिशन मांगता है, तो उसका जवाब येप, युप में ना देकर येस प्लीज में देना चाहिए। जब बच्चा अपने व्यवहार में इन चीजों को लाना शुरू करेगा, तो लोग खुद कहेंगे कि आपने अपने बच्चे को बहुत अच्छी परवरिश दी है। लेकिन आपको यहां एक बात का ध्यान रखना है कि बच्चे अपने पैरेंट्स को देखकर ही सीखते हैं इसलिए आप जो करेंगे, बच्चा भी वैसा ही व्यवहार करेगा। बच्चे को कोई आदत सिखाने से पहले आपको खुद उसे अपनाना होगा।

प्लीज कहना

किसी से कोई चीज मांगने, रिक्वेस्ट करने या मदद मांगने पर बच्चे को प्लीज बोलना सिखाएं। इससे पता चलता है कि बच्चा कितना सभ्य और संस्कारी है।

थैंक्यू

थैंक्यू शब्द बच्चों की ही नहीं बल्कि बड़ों की डिक्शनरी में भी शामिल होना चाहिए। मदद या कोई चीज मिलने या काम पूरा होने पर थैंक्यू जरुर बोलना सिखाएं।

सॉरी कहना

बच्चों को सॉरी कहने का मतलब नहीं पता होता। उसे बताएं कि कोई गलती करने पर या आपकी वजह से किसी को तकलीफहोने पर सॉरी बोला जाता है। अपनी गलती को इग्नोर करने की बजाय उसे स्वीकार करें और सॉरी बोलें।

मे आई, प्लीज

यदि बातचीत के दौरान बच्चे को बोलने का मौका नहीं मिल पा रहा है, तो उसे बीच में बोलना शुरू करने की बजाय इंतजार करना चाहिए और फिर आराम से मे आई, प्लीज कह कर अपनी बात शुरू करनी चाहिए।

घर में मूर्तियां रखने से पहले जान लें ये परंपरा

घर और मंदिर में फर्क होता है और जो लोग घर में ही मंदिर बना लेते हैं उनके लिए कई नियम मान्य होते हैं जैसे कहां बनाना चाहिए, घर का कौन सा कोना पवित्र है वगैराह-वगैराह, लेकिन घर में मूर्तियां रखने के भी कुछ नियम होते हैं। शास्त्रों के अनुसार अगर मूर्ति की पूजा नहीं की जा सकती तो उसे घर में रखने की जरूरत नहीं है। ये नियम खास तौर से शिवलिंग पर लागू होता है।

शिवलिंग को लेकर ये भी नियम है कि एक से ज्यादा शिवलिंग घर में नहीं रखने चाहिए। अगर ब्रह्मा-विष्णु-महेश की मूर्ति रखी जा रही है या फोटो है तो उसे बाकी देवताओं से ऊपर स्थान देना चाहिए।

एक ही भगवान की तीन मूर्तियां या तस्वीरें एक साथ घर में नहीं रखनी चाहिए ये गलत प्रभाव डालती हैं।

क्या कहते हैं शास्त्र..

ये सभी नियम और कायदे खास तौर पर वास्तु शास्त्र के हिसाब से बनाए गए हैं। अगर हम अन्य शास्त्रों की बात करें जैसे गीता में दान या उपहार के तीन प्रकार हैं (सात्विक, राजसिक और तामसिक) जिसमें से किसी में भी भगवान की मूर्ति दान या उपहार देने का कोई रिवाज नहीं है।

रिगवेद में ज्ञान को ही दान और उपहार माना गया है और इसे ही देने की बात कही गई है। मनुस्मृति में भूखे को खाना खिलाना (पुण्य के लिए), सरसों का दान (स्वास्थ्य के लिए), दिए या रौशनी का दान (समृद्धी के लिए), भूमि का दान (भूमि के लिए) और चांदी का दान (सौंदर्य के लिए) का वर्णन है, लेकिन भगवान की मूर्तियों का कहीं नहीं हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दो गुना तेजी से बढ़ेंगे बाल, ले इन 5 घरेलू हेयर मास्क की मदद

आमतौर पर, तेज धूप, मौसम में बदलाव, तनाव और प्रदूषण आदि ऐसे कई कारक है, जो आपके बालों को डैमेज कर सकते हैं। जिसके कारण हेयर ग्रोथ पर असर पड़ता है और फिर हम मार्केट में मिलने वाले कई तरह के हेयर केयर प्रॉडक्ट्स में इनवेस्ट करने लग जाते हैं। बाजार में कई ऐसे हेयर केयर प्रॉडक्ट होते हैं, जो बालों को फायदा कम और नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप घर पर ही कुछ मास्क बनाकर बालों में लगाएं। यह होममेड हेयर मास्क बालों को अतिरिक्त पोषण प्रदान करते हैं और हेयर ग्रोथ की स्पीड बढ़ाते हैं। तो चलिए जानते हैं हेयर ग्रोथ के लिए बेनिफिशियल कुछ हेयर मास्क के बारे में...

दालचीनी और नारियल के तेल का हेयर मास्क

सामग्री

1 चम्मच पिसी हुई दालचीनी

1 चम्मच नारियल का तेल

बनाने का तरीका

–सबसे पहले एक बाउल में दालचीनी और नारियल का तेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।

–अब इसे अपनी स्कैल्प पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।

–इस मास्क को 30 से 45 मिनट तक ऐसे ही रहने दें और फिर गर्म पानी से धो लें।

–आप इंग्रीडिएंट की मात्रा अपने अनुसार एडजस्ट कर सकते हैं।

बनाना और कर्ड हेयर पैक

सामग्री

एक केला

एक अंडा

एक बड़ा चम्मच दही

बनाने का तरीका

–इस मास्क को बनाने के लिए आपको एक केला, एक अंडा और एक बड़ा चम्मच दही चाहिए।

–इस मास्क में अंडे का सफेद हिस्सा इस्तेमाल करना है, पीला नहीं।

–इन सभी चीजों को ब्लेंडर की मदद से बारीक पीस लें।

– हल्के हाथों से बालों पर लगाएं. पंद्रह मिनट तक लगा रहने दें।

– इसके बाद बालों को पानी से धो लें।

– इससे बालों के झडने की समस्या दूर होगी।

– बालों में चमक आएगी और रूखापन दूर होगा और ग्रोथ बेहतर होगी।

नारियल का तेल, नींबू, और अंडे का हेयर पैक

सामग्री

1 चम्मच नारियल का तेल

1 नींबू का रस

1/2 कप सादा दही

1 अंडा

बनाने का तरीका

–सबसे पहले, एक बाउल में सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें।

–अब अपनी स्कैल्प से लेकर टिप तक उंगलियों की मदद से इस पैक को लगाएं।

– इसके बाद आप शॉवर कैप के साथ कवर करें और 20-25 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें।

–उसके बाद गर्म पानी से अच्छी तरह धो लें।

–अंत में बालों को हमेशा की तरह शैम्पू करें।

नारियल का तेल और शहद का हेयर पैक

सामग्री

1 बड़ा चम्मच ऑर्गेनिक अनरिफाइंड नारियल तेल

1 बड़ा चम्मच कच्चा शहद

बनाने का तरीका

–एक मिक्सिंग बाउल में सामग्री को डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।

–अब इसे अपने गीले या सूखे बालों पर लगाएं।

–आप बालों के एंड्स पर इसे अवश्य लगाएं, क्योंकि यहीं – आपको सबसे ज्यादा नुकसान होने की संभावना है।

–पैक लगाकर करीबन आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

–इसके बाद बालों को पहले साफपानी से रिंस करें और फिर बालों को शैम्पू करें।

प्याज़ और कैस्टर ऑयल का हेयर पैक

सामग्री

2-3 टेबलस्पून प्याज़ का रस

2 टेबलस्पून कैस्टर ऑयल

1 कॉटन बड

बनाने का तरीक़ा

–एक प्याज़ लें और उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन टुकड़ों को ब्लेंडर में डालकर पेस्ट बनाएं। पेस्ट तैयार होने के बाद एक चीज़क्लोथ लें और सारा रस निकाल लें। हालांकि इसका स्मेल आपको पसंद नहीं आएगा, लेकिन इस बात को लेकर खुश हो जाएं कि इससे आपको घने, लंबे व मज़बूत बाल मिलेंगे।

–प्याज़ का रस तैयार होने के बाद उसमें बराबर मात्रा में कैस्टर ऑयल डालें और दोनों को अच्छी तरह से मिलाएं।

–एक कॉटन पैड लें और उसे तैयार मिश्रण में डुबोएं। भीगे कॉटन पैड की मदद से मिश्रण को स्कैल्प पर लगाएं और अच्छी तरह से मसाज करें। बचे हुए मिश्रण को बालों की पूरी लंबाई तक लगा दें।

शब्द सामर्थ्य -087

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

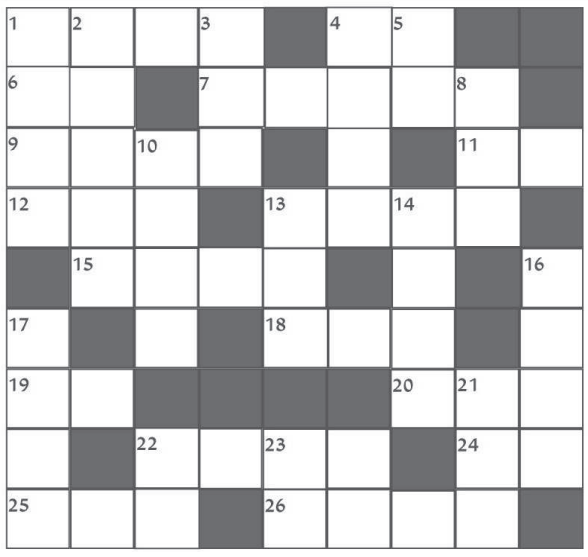

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 086 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

अजय-अक्षय को साथ लेकर फिल्म बनाने की तैयारी में कुमार मंगत

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म पृथ्वीराज को लेकर चर्चाओं में हैं और अजय देवगन अपनी पिछली फिल्म रनवे 34 की असफलता और दृश्यम-2 को लेकर चर्चाओं में हैं। इन दोनों सितारों को लेकर एक निर्माता अपनी आगामी फिल्म की तैयारियों में हैं। गलियारों में बहती हवाओं का कहना है कि इस फिल्म के लिए अक्षय कुमार ने हाँ बोल दिया है अब बात सिर्फ अजय देवगन से करनी है। अजय देवगन और अक्षय कुमार को दर्शकों ने गत वर्ष रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म सूर्यवंशी में देखा था। इस फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया। हालांकि फिल्म में अजय देवगन ने महज कैमियो रोल में ही एंट्री मारी थी। बावजूद इसके इन दोनों की जोड़ी दर्शकों की ढेर सारी तालियां लूट ले गईं। अब चर्चा है कि इस फिल्म के बाद एक बार फिर ये स्टार्स एक साथ आने की प्लानिंग में हैं। सामने आई ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म निर्माता कुमार मंगत पाठक ने दोनों स्टार्स को एक फिल्म के लिए अप्रोच किया है। जो डबल हीरो वाली एक्शन ड्रामा फिल्म होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार और अजय देवगन को कुमार मंगत के निर्माण में बनने वाली फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है। इस फिल्म को बच्चन पांडे स्टार ने अपनी ओर से सहमति दे दी है। अब सिर्फ अजय देवगन की हां का इंतजार है। फिल्म स्टार अजय देवगन इन दिनों गोवा में हैं। जहां वो श्रिया सरन के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म दृश्यम 2 की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म को पूरा करने के बाद जब एक्टर अजय देवगन मुंबई लौटेंगे तब निर्माता इस फिल्म को लेकर बात करने वाले हैं। अगर उन्होंने भी इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी तो दोनों स्टार्स एक बार फिर ऑन स्क्रीन धमाका करते दिखेंगे।

गौरतलब है कि अक्षय कुमार और अजय देवगन इससे पहले एक साथ इंसान और खाकी में दिखाई दिए थे। इन दोनों फिल्मों का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया था। इंसान जहाँ बॉक्स ऑफिस पर असफल हो गई थी, वहीं खाकी ने बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। खाकी में अजय अक्षय के साथ अमिताभ बच्चन और ऐश्वर्या राय ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद दोनों रोहित शेट्टी की फिल्म सूर्यवंशी में नजर आए थे।

9 ऑवर्स के ट्रेलर में दिखाई गई हिंसक डकैती

वेब सीरीज 9 ऑवर्स का ट्रेलर अब आउट हो गया है। सीरीज, जिसे कृष जगरलामुडी द्वारा बनाया गया था और निरंजन कौशिक और जैकब वर्गीस के तहत निर्देशित किया गया था, 2 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर इसका प्रीमियर होगा। एक पुलिस वाले के रूप में तारक रत्न अभिनीत 9 ऑवर्स लगभग तीन भगोड़े हैं जो तीन बैंकों को लूटने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आगे की योजना बनाई है और जानते हैं कि लूट कर कैसे भागना है। क्या पर्दे के पीछे उनका प्रभारी कोई है, ट्रेलर के अनुसार, तारक रत्न का पुलिस वाला चरित्र एक रहस्य जानकर हैरान है। अजय, विनोद कुमार, मधु शालिनी, रवि वर्मा, प्रीति असरानी, अंकित कोय्या, ज्वाला कोटि, और मोनिका रेड्डी सीरीज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो 1990 के दशक में स्थापित है। उत्पादन डिजाइन और संपादन क्रमशरू राजकुमार गिब्सन तलारी और धर्मेंद्र काकरला द्वारा किया जाता है। शक्ति कंठ कार्तिक के संगीत और मनोज रेड्डी द्वारा छायांकन के साथ 9 ऑवर्स को तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में स्ट्रीम किया जाएगा। फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट 9 ऑवर्स का निर्माण करता है, जो राजीव रेड्डी वाई और साई बाबू जगरलामुडी द्वारा निर्मित है।

लाइट पिंक कलर की शिमरी गाउन में निक्की तंबोली ने फ्लॉन्ट किया अपना फिगर

बिग बॉस 14 फेम निक्की तंबोली अपनी कातिलाना अदाओं के लिए जानी जाती है। एक्ट्रेस आए दिन अपनी खूबसूरत फोटोज और वीडियो फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं और हाल ही में शेयर की गई उनकी तस्वीरें फैंस को दीवाना बना रही है। इन तस्वीरों में निक्की लाइट पिंक कलर की शिमरी गाउन में नजर आ रहीं हैं। इस गाउन में एक्ट्रेस का टोन्ड फिगर साफदिख रहा है। निक्की की ये ड्रेस ऊपर की तरफसे स्ट्रैपी है और साइड से हाई थाई स्लिट है। इस स्लिट की वजह से उनके खूबसूरत लेग्स नजर आ रहे हैं।

अपने लुक को पूरा करने के लिए निक्की तंबोली ने बालों को ओपन रखा है और न्यूड मेकअप किया हुआ है। इस ड्रेस में निक्की इतनी ज्यादा हॉट लग रही हैं कि तस्वीरें देखने के बाद लोगों के लिए नजरें हटाना मुश्किल हो गया हैं।

निक्की ने इस फोटोशूट के लिए ऐसे-ऐसे किलर पोज दिए कि फैंस की धडक़ने बढऩे लग गई है। निक्की का ये सिजलिंग अवतार फैंस को भी पसंद आ रहा है।

आपको बता दें निक्की तंबोली मूल रूप से साउथ इंडियन फिल्मों में काम करती हैं। तमिल और तेलुगू फिल्मों का जाना माना नाम हैं और हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है की साउथ इंडस्ट्री के लोग उनसे कैसा व्यवहार करते हैं। निक्की ने कहा मैंने कई साउथ की फिल्मों में काम किया है। इन फिल्म्स के डायरेक्टर मेरे साथ बहुत ही बुरा बर्ताव करते थे। निक्की तंबोली के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो बिग बॉस 14 का हिस्सा रह चुकी हैं। निक्की को इसके अलावा खतरों के खिलाड़ी में भी देखा गया था। निक्की कई म्यूजिक वीडियो में भी अपना जलवा बिखेर चुकी हैं।

इश्क पश्मीना से डेब्यू करेंगी मालती

प्रभावशाली अभिनेता भाविन भानुशाली और क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर आगामी प्रेम कहानी इश्क पश्मीना में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। कृष्णा शांति प्रोडक्शन ने अपनी पहली फिल्म इश्क पश्मीना की घोषणा कर दी है। भाविन भानुशाली को इन फिल्मों और टीवी शो जैसे दे दे प्यार दे, वेलपंती और ए.आई. शारू माई वर्चुअल गर्लफ्रेंड के लिए जाना जाता है । भाविन कहते हैं- इश्क पश्मीना में चरित्र मेरी भागीदारी के मुख्य निर्णायक कारकों में से एक था। यह एक चुनौतीपूर्ण भूमिका थी और मुझे खुशी है कि मैंने इसे लिया। मुझे अपनी सह-कलाकार मालती के साथ काम करना बहुत पसंद था, जो एक बहुत ही प्यारी शख्सियत थी। जरीना मैम ने हमें यह महसूस नहीं कराया कि हम इतने वरिष्ठ कलाकार के साथ काम कर रहे हैं।मैं दर्शकों के लिए फिल्म देखने और कहानी से प्रेरित होने के लिए उत्साहित हूं। अरविंद जो मेरी तरह निर्देशक के रूप में भी डेब्यू कर रहे हैं और मालती ने इस फिल्म को बनाने में अपना सब कुछ दे दिया। वह बहुत मेहनती लडक़ी है और मैं उसके साथ काम करके खुश हूं। फिल्म का संगीत शीर्ष पर है और मुझे सभी गानों से प्यार हो गया है। यह वास्तव में एक सुंदर संगीत यात्रा भी होने जा रही है। मेरी इच्छा है कि दर्शक इसे उतना ही पसंद करेंगे। इश्क पश्मीना एक भावपूर्ण, काव्यात्मक और असामान्य प्रेम कहानी का चित्रण करेगी जो दर्शकों के दिलों को छूने के लिए बाध्य है।

मालती ने कहा- मैं इश्क पश्मीना का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। भाविन के साथ काम करने का यह एक अद्भुत अनुभव था, वह बहुत ही अद्भुत सह-अभिनेता हैं, और हमारे निर्देशक अरविंद, जिनके बारे में मेरा मानना है कि उन्होंने निर्देशन में इतना अच्छा काम किया है क्योंकि यह एक भारी जिम्मेदारी है। जरीना मैम हम सभी के साथ बहुत दयालु और धैर्यवान थीं और हम जितना मांग सकते थे उससे कहीं अधिक था।

भाविन और मालती के अलावा, फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री जरीना वहाब, बृजेंद्र काला, कायनात अरोड़ा, गौरिका मिश्रा, विजय मिश्रा, सुनील यश चौरसिया और विक्रम जैसे सितारे शामिल हैं।

न्यूज़ीलैंड में जन्मी शर्ली सेतिया है लव एडिक्ट

क्यूट, बबली और चार्मिंग...फिल्म निकम्मा के ट्रेलर में लीड अभिनेत्री शर्ली सेतिया को देखने के उपरांत आप भी उनकी क्यूटनेस के दीवाने हो जाएंगे. शर्ली को निकम्मा के ट्रेलर में बहुत नोटिस भी किया जा रहा है. अभिनेत्री की मिलियन डॉलर स्माइल ऊपर से क्यूट अदाएं, शर्ली की ब्यूटी का हर कोई दीवाना होने लगा है. अब जिस अभिनेत्री को इंटरनेट पर इतना सर्च किया जा रहा हो उसके बारे में डिटेल में जान लेते है.

आपको इस बारें में जानकर हैरानी होने वाली है कि शर्ली यूट्यूब सेंसेशन हैं. शर्ली का जन्म इंडिया में हुआ लेकिन वो न्यूजीलैंड में पली बढ़ी हैं. वे पेशे से सिंगर, यूट्यूबर और अभिनेत्री हैं. यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड से शर्ली ने ग्रैजुएशन पूरा किया है. मार्केटिंग और पब्लिसिटी में ऑकलैंड काउंसिल से शर्ली ने इंटरनशिप की थी. लेकिन किसे मालूम था शर्ली को तो ग्लैमर वर्ल्ड में आना था और इंटरनेट सेंसेशन बनने का सपना था.

बता दें कि शर्ली ने टी-सीरीज के एक कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट भी कर रहे थे. उनकी यूट्यूब एंट्री को उनके बेडरूम में रिकॉर्ड कर लिया था जिसमें शर्ली ने पायजामा पहन रखा था. बस इसी के बाद से शर्ली को नया नाम पायजामा पॉपस्टार भी मिल गया.

इस कॉन्टेस्ट के लिए विश्वभर से हजार क्लिप्स आई थीं जिनमें से शर्ली विनर बन गई थी. शर्ली ने रेडियो शो में काम किया है. ऑकलैंड में होने वाले लोकल कंपटीशन में वे पार्टिसिपेट करती थीं. वर्ष 2016 में शर्ली ने मुंबई और हैदराबाद में अपना पहला कंसर्ट भी पूरा किया था. शर्ली को इंडिया की यूट्यूब सेंसेशन का टैग हासिल हुआ है.

शर्ली को यूट्यूब ने बतौर यूट्यूब क्रिएटर 2016, 2017 में मुंबई में हुए यूट्यूब फैनफेस्ट में लाइव परफॉर्म करने के लिए इन्वाइट किया था. शर्ली के यूट्यूब पर 3.83 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं. शर्ली यूट्यूब पर बॉलीवुड गानों के अपने सिंगिंग वर्जन पोस्ट करती हैं. जिसके साथ शॉर्ट्स वीडियो, व्लॉग भी चला रही है. सिंगिंग के उपरांत शर्ली ने एक्टिंग करियर की तरफ फोकस किया.

महात्मा गांधी की बायोपिक सीरीज में मुख्य भूमिका निभाएंगे प्रतीक गांधी

प्रतीक गांधी मौजूदा दौर के उभरते हुए अभिनेता हैं। उनके खाते में एक से बढक़र एक कई बड़ी फिल्में हैं। अब एक और अहम प्रोजेक्ट के साथ उनका नाम जुड़ गया है। वह भारत के स्वाधीनता संग्राम के अग्रणी नेता रहे महात्मा गांधी के जीवन पर बनने वाली सीरीज में दिखाई देंगे। इस सीरीज में वह गांधी के किरदार को निभाएंगे। अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने गांधी पर सीरीज बनाने की घोषणा की है।

प्रतीक ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर इस प्रोजेक्ट का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, अप्लॉज एंटरटेनमेंट गांधी के जीवन और समय के झरोखे से देखी गई भारतीय स्वतंत्रता की एक व्यापक कहानी को जीवंत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह सीरीज रामचंद्र गुहा की प्रतिष्ठित पुस्तकों पर आधारित होगी।इसमेंआधुनिक भारत केइतिहास को परिभाषित करने वाले एक महान व्यक्ति की यात्रा को दर्शाया जाएगा। कई सीजन में इस सीरीज को दर्शकों के बीच लाने की योजना बनाई गई है। गुहा की प्रतिष्ठित पुस्तकों गांधी बिफोर इंडिया और गांधी- द इयर्स दैट चेंज्ड द वर्ल्ड से इसकी कहानी का रूपांतरण किया जाएगा। अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने हाल में गुहा से इसके राइट्स खरीदे हैं। इसके जरिए गांधी की अनकही कहानियों को दर्शकों के बीच लाया जाएगा। भारत सहित दुनियाभर के कई हिस्सों में इस प्रोजेक्ट की शूटिंग की जाएगी।

गांधी की बायोपिक सीरीज को लेकर प्रतीक काफी उत्साहित हैं। अभिनेता प्रतीक ने अपने बयान में कहा, मैं गांधीवादी दर्शन और उसके मूल्यों में गहराई से विश्वास करता हूं। व्यक्तिगत रूप से मैं खुद उनके जीवन मूल्यों और शिक्षा को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में उतारने की कोशिश करता हूं। मैं समीर नायर और उनकी टीम के साथ इस यात्रा को शुरू करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता।

महात्मा गांधी के जीवन से प्रेरित कई फिल्में बन चुकी हैं। इनमें गांधी, हे राम, सरदार, द मेकिंग ऑफ महात्मा गांधी और गांधी, माई फादर का नाम शामिल है। संजय दत्त की लगे रहो मुन्नाभाई भी गांधीगिरी से प्रेरित फिल्म है।

प्रतीक के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह समाज सुधारक, लेखक और क्रांतिकारी ज्योतिराव फुले की बायोपिक में भी नजर आएंगे। प्रतीक इस फिल्म में महात्मा फुले का किरदार निभाएंगे। प्रतीक फिल्म वो लडक़ी है कहां को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसमें उनके साथ तापसी पन्नू नजर आएंगी। वह डेढ़ बीघा जमीन में भी नजर आने वाले हैं। वेब सीरीज स्कैम 1992 ने अभिनेता प्रतीक को रातों-रात स्टार बना दिया था।

मनुष्यः स्वार्थी, यांत्रिक व्यवहार!

हरिशंकर व्यास

लोग क्या जलवायु परिवर्तन, पृथ्वी की चिंता कर सकते हैं? अपना व्यवहार बदलेंगे? असंभव है। ज् मनुष्य स्वकेंद्रित स्वार्थी है न कि रेशनल। विज्ञान के नए शोध अनुसार मनुष्य दिमाग की 99 प्रतिशत प्रोसेसिंग अवचेतन में स्वचालित है। भ्रम है कि मनुष्य, चेतन प्रकृति का जीव है। असलियत में उसकी चेतना अतीत और भविष्य के सबक व समझ के बिना होती है।ज्जो प्रजाति, जितनी अधिक कहानियों में जीती है, वह उतनी ही जड़ स्वभाव में कष्टदायी, द्वेषपूर्ण, वेदनापूर्ण, आत्महंता जिंदगी जीती है। ऐसे लोगों में मौलिक बुद्धि का खिलना संभव नहीं है।

प्रलय का मुहाना-18रू आठ अरब लोग क्या जलवायु परिवर्तन, पृथ्वी की चिंता कर सकते हैं? क्या अपना व्यवहार बदलेंगे? असंभव है। कई वजह है। जैसे, व्यक्ति का दिल-दिमाग स्वभाव और व्यवहार के मामले में डीएनए से हार्डवायर्ड है। चिम्पांजी के गुणसूत्रों में उसका आचरण है। पशु एनिमेलिया के पशुओं जैसी बेसुधी में इंसान जीता है। व्यवहार ढर्रे और यथास्थिति का है। मनुष्य स्वकेंद्रित स्वार्थी है न कि रेशनल। विज्ञान के नए शोध अनुसार मनुष्य दिमाग की 99 प्रतिशत प्रोसेसिंग अवचेतन में स्वचालित है। भ्रम है कि मनुष्य, चेतन प्रकृति का जीव है। असलियत में उसकी चेतना अतीत और भविष्य के सबक व समझ के बिना होती है। तभी आश्चर्य नहीं जो मनुष्य प्रजातियां लड़ते-लड़ते बरबाद होती हैं लेकिन फिर भी निरंतर नए-नए संहारक हथियारों को बनाती है। मनुष्य को झूठ, धोखे, चोरी, लालच, तनाव, आत्महत्या, दूसरों की हत्या, अत्याचार, नरसंहार सभी के पाप का बोध है लेकिन फिर भी इन पापों का आचरण है! ऐसे भी धर्मावलंबी हैं, जो पृथ्वी को मृत्युलोक मानते हैं। स्वर्ग की हूरों के ख्याल में जनसंहार करते हैं। ऐसी जमातों के लोग तब यह भी सोच सकते हैं कि पृथ्वी खत्म हो तो जन्म-जन्मांतर के कष्टों से मुक्ति मिले। पृथ्वी के प्राण पखेरू, उसकी हवा-पानी को यमराज हर ले तो मृत्युलोक खत्म हो और वे स्वर्ग जाएं। जाहिर है मनुष्य की कहानियां ऐसी हैं, जिनसे लडना, मरना, जिहाद करना, पर्यावरण के प्रति बेपरवाही सब स्वभावगत है। इसलिए पृथ्वी परमाणु विस्फोटों, आग-गर्मी, गैसों से सूखती, बरबाद, बंजर कल होती हो तो आज हो। ऐसे कितने प्रतिशत लोग होंगे? बहुसंख्यक! जितना अनुमान लगाएंगे उतना लगेगा कि कौन नहीं है, जो पृथ्वी की बजाय कल्पनाओं का स्वर्ग नहीं चाहता!

मनुष्य के ख्यालों-स्वभावों को विज्ञान ने बहुत भेदा है। दिल-दिमाग की गहरी प्रोसेसिंग के साथ मनुष्य को सत्य समझाने की कोशिशें भी हैं। लेकिन मनुष्य दिमाग ऑटोमेटिक पशुगत यांत्रिकता में गुंथा है। वह निज स्वार्थों, जात-खाप-समाज की खोल में बंद है। इन्हीं के दिमागी मॉड्ल हैं। जो प्रजाति जितनी अधिक कहानियों में जीती है, वह उतनी ही जड़ स्वभाव में कष्टदायी, द्वेषपूर्ण, वेदनापूर्ण, आत्महंता जिंदगी जीती है। ऐसे लोगों में मौलिक बुद्धि का खिलना संभव नहीं है।

तब कैसे मुमकिन है मानव में पृथ्वी की चिंता बनना? इसलिए तय मानें कि पृथ्वी जलती जाएगी। कार्बन उत्सर्जन कम नहीं होगा। पशु हत्या खत्म नहीं होगी। आठ अरब लोगों की भीड़ में से एक-दो प्रतिशत लोगों के दिमाग भी वैश्विक चेतना और चिंता में खदबदाते हुए नहीं होंगे।

हम इक्कीसवीं सदी में हैं। विज्ञान के देवर्षियों के कारण दुनिया अब भूमंडलीकृत गांव है। फ्लिहाल हर मनुष्य महामारी और जलवायु परिवर्तन के कष्ट भोगता हुआ है। बावजूद इसके पृथ्वी की आबादी में अधिकतम लोग क्या वैसा ही व्यवहार लिए हुए नहीं हैं, जैसे दो सौ साल पहले था? पांच सौ या हजार साल पहले था? जैसे-

निज स्वार्थ का व्यवहार। परिवार, खाप, जात, कबीले, भाषा-वर्ण-वर्ग-रंग, कर्म, समाज, धर्म, प्रदेश, देश, की पहचान, आइडेंटिटी में व्यवहार। मनुष्य, मनुष्य में फर्क और झगड़े बनवाने वाला आचरण। दरअसल मनुष्य का दिमागी सर्किट तेरे-मेरे के भेद में स्वभावगत यांत्रिक व्यवहार बनाता है। उसका सामाजिक व्यवहार अतीत की मान्यताओं में गुंथा होता है। इसलिए महामारी दौरान भी नस्ल, धर्म, देश की कहानियों में व्यक्तियों के निज व कबीलाई व्यवहार दिखलाई दिए। कबीलाई मान्यताओं और अंधविश्वास अनुसार व्यवहार था और है।

व्यक्ति सर्वत्र जात से साझा विकास मानता है। उसके दिमाग में साझा सरोकार, विषय, दुविधाओं, प्रतिस्पर्धाओं और झगड़ों के सामाजिक बाड़े हैं। इसी से फिर नेतागिरी, पदानुक्रम, व व्यवस्था-संगठनात्मक डिजाइन, खांचे और बाड़े रचते-बनते हैं। दिमाग इनसे बाहर निकल कर नहीं सोचेगा। महामारी की वैश्विकता, वैज्ञानिक जानकारी के बावजूद मनुष्य कबीलाई सोच में अलग-अलग व्यवहार बनाए हुए था। किसी ने गोबर के लेप से इलाज किया। किसी ने ताली-थाली तो किसी ने जादू-टोनों के वंशानुगत डीएनए से आपदा का सामना किया। कबीलों ने महामारी और विज्ञान को संदेह से देखा। मगर हां, जब निज जीवन की सांसे उखडने लगीं तब व्यक्ति विज्ञान-वैक्सीन को मानता-अपनाता हुआ था।

भेड़ें जैसे भेड़ों के बीच रहती हैं वैसे वनमानुष, प्राइमेट्स की विरासत का व्यक्ति अपने लोगों, परिवार, समाज में सुकून पाता है। पहले मैं, फिर परिवार, फिर जात, फिर धर्म, चारदिवारी, भाषा, रंग आदि के घेरों के अनुसार मनुष्य का व्यवहार होता है। इसलिए व्यक्ति और समाजों के लिए वैश्विक सरोकार याकि जलवायु परिवर्तन, मानवता और पृथ्वी पर सोचना संभव नहीं है। एक शोध अनुसार व्यक्ति का दिमाग अधिक से अधिक 150 लोगों के चेहरे, उनसे नाता-रिश्ता, उनके काम करने-कराने की निज दिमागी क्षमता लिए होता है। शायद तभी बड़ी आबादियों के नेता भी चंद लोगों से घिर कर काम करते और कराते हैं। वे भी तात्कालिकता, अपने लोगों, अपनी सत्ता और अपने कार्यकाल की चिंता से बिना भविष्य दृष्टि के होते हैं।

तभी व्यक्ति के व्यवहार का पहला सत्य जात-खाप-समाज का छाता है। ऐसा होना भी स्वकेंद्रित, व्यक्तिवादी स्वभाव में। समाज में व्यक्ति निज स्वार्थ, अहम, मान-सम्मान, दबदबे, पद, पैसे, भोग की इच्छा के बेसिक इंस्टिंक्ट में फैसले करता है। उसका कबीले, शिकारी टोली, जात, समाज से सरोकार होता है वहीं उसका कंपीटिशन का बाड़ा भी होता है। इसमें व्यक्ति ताकत-रूतबे के प्रदर्शन और नेतागिरी के मौके बनाता है। नेता वह बनता है, जिसकी व्यक्तिवादी भूख जन्मजात मदारी स्वभाव लिए हुए हो। जिसकी जैविक रचना में आकर्षण, गड़ेरिए के वंशानुगत स्वभाव के डीएनए हों।

जैसा व्यक्ति का दिमाग है वैसा व्यवहार। तो दिमाग की लकीर का वह फकीर है। यदि दुष्ट-नीच व्यवहार के डीएनए हैं तो वह हमेशा दुष्टता दिखाएगा। जैसी प्रकृति वैसी प्रवृत्ति में व्यवहार। हितोपदेश में उदाहरण हैं कि यदि कुत्ते को राजा बना दें तो वह क्या जूता नहीं चबाएगा? व्यक्ति जिंदगी को एक्सट्रपोलेटिंग मशीन की यांत्रिकता में जीता है। जिंदगी मानो कैलकुलेटर। क्षणिक और तात्कालिकता में हिसाब-किताब। वह दूरदर्शी, विजनरी नहीं होता है। संकट है तो हाथ-पांव मारेगा। ज्योंहि सब सामान्य हुआ तो लकीर में फिर व्यवहार। देशकाल में ट्रेंड बनते-बिगड़ते हैं, घटनाएं होती हैं। इन सबमें व्यक्तियों की दिलचस्पी, दिवानगी ट्विटर के ट्विट जैसे छोटी-क्षणिक असर की होती है।

व्यक्ति का व्यवहार इलहाम में भी होता है। दिमाग में जिज्ञासा होती है लेकिन उथली हुई। सत्य खोजने-जानने-समझने के बजाय मनुष्य दिल-दिमाग के ख्याल से फैसले करता है। वह भावना में जीता है न कि तार्किकता से। दिल-दिमाग की भावनाओं, भय, आंशकाओं में उसका आचरण होता है। यही कारण है कि आमतौर पर मनुष्य जोखिम नहीं उठाता है। पराश्रित रहता है। नियतिवादी होता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार यह स्वभाव वनमानुषों के शिकार जीवन का स्वभाव है।

सू- दोकू क्र.087

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.086 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से आमजन को करें जागरुकः डा.शाह

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। युवाओं में आजकल तंबाकू की लत बढ़ती जा रही है। विभिन्न प्रचार माध्यमों से तंबाकुओं के दिखाये जा रहे प्रचार भी युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। तम्बाकू के सेवन करने वाले अनेक गंभीर रोगों की गिरफ्त में आकर मौत के मुंह में समा रहे हैं। तंबाकु सेवन से फेफड़े के कैंसर, मुख का कैंसर, ह्रदय रोग और स्ट्रोक जैसे गंभीर रोग उत्पन्न हो रहे हैं।

उपरोक्त जानकारी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसायटी द्वारा संचालित स्वामी रामप्रकाश चैरिटेबल चिकित्सालय, निकट अवधूत मंडल आश्रम, ज्वालापुर के मेडिकल डायरेक्टर डा.संजय शाह ने देते हुये बताया कि आमजन को तंबाकू के दुष्प्रभावों से जागरूक करने के उद्देंश्य से हर साल 31 मई को दुनियाभर में ''विश्व तंबाकू निषेध दिवस'' मनाया जाता है। इस दिन का लक्ष्य सभी को किसी भी तरह के तंबाकू का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही इस दिन तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक भी किया जाता है। अधिक से अधिक लोगों को धूम्रपान और तंबाकू से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम है 'पर्यावरण के लिए खतरनाक है तंबाकू।'

उन्होंने कहा कि लगातार तंबाकू का सेवन करने से कुछ समय बाद, सांस लेने में असुविधा, सीने में दर्द, भूख न लगना, वजन का कम होना, खांसी के साथ रक्त निकलना, यदि उपरोक्त लक्षण किसी में दिखाई दे तो उसे तुरंत ही चिकित्सक की सलाह पर उपयुक्त परीक्षण कराने चाहिये क्योंकि ऐसी अवस्था में टीबी, लंग कैंसर होने की संभावना अत्यधिक रहती है। उन्होने बताया कि फेफड़े के कैंसर का इलाज सर्जरी से, रेडियोथेरैपी और कीमोथेरैपी के जरिये किया जाता है। जब मरीजों में लंग कैसर घातक स्थिति में पहुंच जाता तो सर्जरी की संभावना भी कम हो जाती है। कीमोथेरैपी के सेकेन्ड व थर्ड लाइन 'एजेन्ट्स' के विकिसित होने के कारण इस मर्ज के इलाज में उम्मीद की किरण जागी है। तंबाकू के सेवन से बचाव के लिये जन-जागरण अभियान चलाने की आवश्यकता है जिससे कि हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाने वालें कारकों से दूरी बनायी जा सके।

डा.संजय शाह ने बताया कि धूम्रपान के धुएं में विभिन्न प्रकार के 4000 रसायन, सरकार को प्राप्त होने वाले राजस्व से ज्यादा तम्बाकू जनित रोगों के ईलाज में खर्चा आता है।, धूम्रपान से कार्यकुशलता में कमी, कैंसर में तंबाकू को 'ए' श्रेणी, तम्बाकू में मौजूद निकोटिन, कैडमियम और कार्बन मोनोआक्साइड , नाइट्रोसामान्इ, बेन्जोपाइरीन्स, आर्सेनिक और क्रोमियम आदि सेहत के लिये अत्यंत नुकसानदाई और कैंसर को बुलावा, तम्बाकू सेवन से शरीर के किसी भी हिस्से में कैंसर, हृदय रोग, अल्सर और दमा की अत्यंत संभावना रहती है। वहीं महिलाओं में गर्भपात और असामान्य बच्चों का जन्म, धूम्रपान का असर साथी पर भी गंभीर असर पड़ता है।

कौस्तुभ सोनलकर को एंटरप्रेन्योरशिप, मेंटरशिप, डाइवर्सिटी और इनक्लूजन के क्षेत्र में मिला महाराष्ट्र गौरव सम्मान

कार्यालय संवाददाता

मुंबई। कौस्तुभ सोनलकर को प्रतिष्ठित महाराष्ट्र गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया, उन्हें ये सम्मान इंडस्ट्री की अलग अलग क्षेत्र की प्रतिभाओं को करियर में आगे बढ़ाने में मेंटरशिप की भूमिका के लिए एंटरप्रेन्योरशिप, मेंटरशिप, डाइवर्सिटी और इनक्लूजन के लिए प्रदान किया गया। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र और लगभग तीन दशकों के कॉर्पोरेट अनुभव रखने वाले सोनलकर वर्तमान में नीति आयोग में मेंटर ऑफ चेंज के रूप में विविध भूमिकाएं निभा रहे हैं, वे अमेरिका और भारत में कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के बोर्ड सदस्य भी हैं। कौस्तुभ ने एस्सार ग्रुप, फ्यूचर ग्रुप, वेलस्पन, संयुक्त राष्ट्र और पीडब्ल्यूसी जैसे कई प्रतिष्ठित उद्यमों के साथ काम किया है। यह भारत भर में अटल इनोवेशन मिशन के तहत अटल टिंकरिंग लैब्स में छात्रों का मार्गदर्शन करने में लीडर्स को जोड़कर राष्ट्र–निर्माण में योगदान देने वाली पहल का हिस्सा है।

❑सोनलकर को महाराष्ट्र सरकार के उद्योग मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया

अवार्ड नाइट में भारतीय कॉरपोरेट जगत के शीर्ष लीडर और प्रमुख उद्यमियों ने भाग लिया, जिसका आयोजन महाराष्ट्र टाइम्स द्वारा टाइम्स इंटरैक्ट टीम के साथ किया गया था। इस अवसर पर महाराष्ट्र गौरवष्नामक विशेष कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। इस पहल का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता, प्रतिष्ठा और अनुकरणीय कार्यों को पहचानना और उनका सम्मान करना है।

पुरस्कार प्राप्त करने पर कौस्तुभ सोनलकर ने कहा, मैं इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए जूरी सदस्यों और आयोजकों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। यह पुरस्कार किसी के करियर और जीवन भर के प्रयासों को मान्य करने में मदद करता है। मेरा मानना है कि इस तरह के सम्मान लोगों को भविष्य में लगन और ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। यह मुझे पूरे भारत में जिज्ञासु और उज्ज्वल भविष्य रखने वाले युवाओं को व्यवसाय, उद्यमिता, योजना, विकास, संस्कृति, खेल और उनकी कल्पना के किसी भी अन्य क्षेत्र में उन्हें प्रोफेशनल और उनके भविष्य को बनाने में उनकी मदद करते रहने के लिए प्रेरित करता है।

कौस्तुभ सोनलकर के बारे में : कौस्तुभ लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र हैं, जिन्होंने भारत और विदेशों दोनों में कॉर्पोरेट क्षेत्र में २७ वर्षों से अधिक समय तक काम किया है। एक विचारशील नेता के रूप में, उन्होंने कई लैंगिक समानता पहलों का समर्थन किया है और अपने काम के लिए कॉर्पोरेट और सामाजिक क्षेत्र में उनका सम्मान किया जाता है। इंडस्ट्री के सभी सेक्टरों और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक सेटअप के साथ उनके काम करने के अनुभव ने उन्हें वृद्ध कार्यबल, क्षेत्रों में कौशल वृद्धि, एम एंड ए, रणनीति विकास और नए वैश्विक बाजारों में बाजार में प्रवेश के विषयों पर एक विशेषज्ञ बना दिया है। उनकी प्रोफेशनल जर्नी स्टेकहोल्डर और इकोसिस्टम की वैल्यू को बढ़ाने में मदद करती है। काम के अलावा, वह अंडर १६ और रणजी ट्रॉफी क्रिकेटर, बेस्ट सेलिंग राइटर, बॉलीवुड में म्यूजिक कम्पोजर और ट्रांसजेंडर और युवा महिलाओं के लिए काम करने वाले सोशल वेंचर वाइस के संस्थापक रहे हैं।

पैंथर पार्टी के अध्यक्ष भीम सिंह के निधन पर जताया शोक

कार्यालय संवाददाता

देहरादून।उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने पैंथर पार्टी के अध्यक्ष एवं कश्मीर के पूर्व सांसद व विधायक क्रांतिकारी नेता भीम सिंह के निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है।

धीरेंद्र प्रताप ने स्वर्गीय भीम सिंह को अंतरराष्ट्रीय ख्याति का नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने आजीवन जम्मू कश्मीर के विकास के लिए और वहां पर शांति बहाली के लिए लंबा संघर्ष किया । वे सदैव सिद्धांतों पर अडिग रहे और सत्ता के लिए उन्होंने कोई स्वार्थवश समझौता नहीं किया । प्रताप ने कहा कि न केवल वे उच्च कोटि के राजनेता थे बल्कि एक जाने–माने अधिवक्ता, पत्रकार व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनय मैं उनकी अपनी पकड़ थी । धीरेंद्र प्रताप ने उन्हें बहुत ही कुशल नेता बताते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने कई बार उन को निशाना बनाने की कोशिश की परंतु उन्होंने कभी भी जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के साथ समझौता नहीं किया।

धीरेंद्र प्रताप ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा की उनके निधन से देश ने एक सच्चा राष्ट्रवादी नेता खो दिया है । जिसे जम्मू कश्मीर की आम जनता का स्नेह व सम्मान हासिल था और जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता को सदैव अपने जीवन का प्राथमिक संकल्प एवं लक्ष्य रखा।

किसानों को उनके उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराया जाना आवश्यकः संधु

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु की अध्यक्षता में सचिवालय में राज्य खाद्य सुरक्षा मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि किसानों को उनके उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है, इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जाएं। साथ ही मार्केटिंग आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने फसलों की नई वैरायटी विकसित करने हेतु प्रदेश स्तर में ही प्रयास किए जाने के साथ ही दालों, पोषक अनाजों और तिलहन की खेती को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किए जाने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने योजनाएं बनाते समय क्षेत्र विशेष हेतु योजनाएं तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए। कहा कि प्रत्येक क्षेत्र की अपनी भौगोलिक परिस्थितियां और जलवायु भिन्न–भिन्न होती है। एक ही योजना मैदानी और पर्वतीय क्षेत्र में लागू करने से योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियां और जलवायु के अनुसार प्रत्येक जनपद के लिए अलग योजनाएं तैयार की जा सकती हैं। अच्छी योजनाएं तैयार करें। अच्छी योजनाओं के लिए फण्ड की कमी नहीं होने दी जाएगी। इन योजनाओं पर आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार से भी फण्ड उपलब्ध कराया जाएगा। इसके उपरान्त मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु की अध्यक्षता

❑राज्य खाद्य सुरक्षा मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक सम्पन्न

में मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजना और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति की बैठकें भी संपन्न हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वॉलनट और कीवी के उत्पादन पर फोकस कर किसानों को इसकी खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए हर सम्भव प्रयास किए जाएं।

मुख्य सचिव ने उत्पादों को जंगली जानवरों से सुरक्षित रखने हेतु बायोफेंसिंग विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि इसके लिए अलग से सेल बनायी जाए जो इस दिशा में लगातार क्षेत्र विशेष और वहां रहने वाले जानवरों के अनुसार बायोफेंसिंग तैयार करे। मुख्य सचिव ने सभी एलाईड विभागों द्वारा एक इंटीग्रेटड प्लान तैयार कर पलायन से ग्रसित गांवों में एग्रीगेटर तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने एक योजना को पूरे प्रदेश में लागू करने के बजाए, क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि किसानों को सरकार की ओर से हर सम्भव सहायता उपलब्ध करायी जाए। प्रशिक्षण और इंसेंटिव भी दिया जाए। उन्होंने सभी योजनाओं को सोशल ऑडिट और थर्ड पार्टी ऑडिट किए जाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द वर्द्धन, सचिव शैलेश बगोली, वी. वी. आर. सी. पुरषोत्तम सहित सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

पुस्तक मेले का आयोजन किया

ऋषिकेश (आरएनएस)। डोईवाला पब्लिक इंटर कॉलेज में पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। मेले में छात्र–छात्राओं ने पुस्तकों की खरीदारी की। वक्ताओं ने छात्रों की सफलता के लिए पुस्तकों के अध्ययन को जरूरी बताया। सोमवार को डोईवाला पब्लिक इंटर कॉलेज में हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विद्यालय प्रबंधक मनोज नौटियाल ने किया। उन्होंने कहा कि मेले का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं में पुस्तकों के प्रति रुचि पैदा करना है। मोबाइल के इस युग में भले ही सूचनाओं और जानकारियों का संप्रेषण तीव्र हो गया है, लेकिन आज भी पुस्तक का कोई विकल्प नहीं है। एक विद्यार्थी के लिए पुस्तकें चाहे वो पाठयक्रम से संबंधित हो या अन्य विषयों से उनका अध्ययन ही उसे सफलता दिला सकता है। प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार ने कहा कि एक छात्र और शिक्षक दोनों को अध्ययनशील होना चाहिए। मौके पर राजन गोयल, नवल यादव, गीतिका, डा. हेमचंद्र रयाल, अश्विनी गुप्ता, उप प्रधानाचार्य नरेश वर्मा, तेजवीर सिंह, डीएस कंडारी, जेपी चमोली, अनीता पाल, विवेक बधानी, आलोक जोशी आदि उपस्थित रहे।

अधिकारियों का काम कार्यक्रम की व्यवस्था करना है न कि मुख्य अतिथि बननाः मर्तोलिया

संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत के सरमोली वार्ड में अधिकारियों द्वारा सरकारी कार्यक्रमों का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने पर जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया भड़क गए। आज जिलाधिकारी को पत्र भेजकर अधिकारियों को आगाह करने का अनुरोध किया। कहा कि आगे से उनके वार्ड में किसी भी अधिकारी ने उदघाटन, शिलान्यास किया तो वे कार्यक्रम स्थल पर ही धरना प्रदर्शन कर विरोध करेंगे।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने डीएम को लिखे पत्र में कहा कि इस बीच उनके जिला पंचायत सदस्य वार्ड सरमोली के विभिन्न गांवों में उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम हुए है। जिनमें अधिकारियों द्वारा जानबूझकर त्रिस्तरीय पंचायत तथा लोक एवं विधान सभा के सदस्यों के प्रोटोकॉल का खुला उल्लंघन किया गया है।

मर्तोलिया ने कहा कि विधानसभा तथा लोक सभा के सदस्यों की अनुपस्थिति में त्रिस्तरीय पंचायत के प्रतिनिधियों से उद्घाटन किया जाना चाहिए। कहा कि अधिकारियों का काम कार्यक्रम की व्यवस्था करना है न कि मुख्य अतिथि बनना।

मर्तोलिया ने कहा कि वे इस सम्मान के सवाल को क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत की बैठक में भी जोरदार ढंग से उठायेंगे। मर्तोलिया ने कहा कि जनता द्वारा चुनी गई संस्थाओं का सम्मान करना अधिकारियों को सीखना चाहिए। इसके लिए पंचायतीराज विभाग द्वारा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाय। मर्तोलिया ने कहा कि उनके वार्ड में टकराव की स्थिति पैदा न हो, इसके लिए जिला प्रशासन को हस्तक्षेप करना चाहिए।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि जिला अधिकारी से इस संदर्भ में जिले के भीतर प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है।

एक नजर

देश में दशकों तक हुई वोट बैंक की राजनीतिः पीएम मोदी

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र सरकार के आठ साल पूरे होने के मौके पर हिमाचल प्रदेश के शिमला में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। शिमला के रिज के मैदान में प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से बात की। पीएम मोदी ने कहा कि अभी देश के करोड़ों किसानों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा ट्रांसफर हो गया। पैसा उनको मिल भी गया और आज मुझे शिमला की धरती से देश के १० करोड़ से भी ज्यादा किसानों के खातों में पैसे पहुंचाने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने

कहा कि मेरा संकल्प है कि हर भारतवासी के सम्मान के लिए, हर भारतवासी की सुरक्षा, हर भारतवासी की समृद्धि के लिए, भारतवासी को सुख–शांति की जिंदगी कैसे मिले, हर किसी का कल्याण करने के लिए जितना काम कर सकूं, उसको करता रहूं। पीएम ने कहा कि हमारे देश में दशकों तक वोटबैंक की राजनीति हुई है। अपना–अपना वोटबैंक बनाने की राजनीति ने देश का बहुत नुकसान किया है। हम वोटबैंक बनाने के लिए नहीं, नए भारत को बनाने के लिए काम कर रहे हैं ।

सुरक्षाबलों ने अवंतीपोरा में ढेर किए 2 आतंकी, 24 घंटे में 4 का हुआ सफाया

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के अवंतीपोरा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर कर दिया गया है। इस बात की जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि, यह मुठभेड़ सोमवार शाम राजपुरा इलाके में शुरू हुई थी। आतंकियों को पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम ने संयुक्त अभियान में ढेर दिया है। पुलिस ने बताया कि, मारे गए आतंकियों के पास से दो एके–४७ समेत आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। कश्मीर जोन के आईजीपी विजय कुमार ने बताया कि, मारे गए आतंकियों की पहचान त्राल के शाहिद राथेर और शोपियां के उमर यूसुफ के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि, यह दोनों आतंकी त्राल के सरकारी कर्मचारी जावेद अहमद और शादिह अरिपाल की महिला शकीला की हत्या में भी शामिल थे। बता दें कि, इससे पहले पुलवामा में भी सुरक्षाबलों ने सोमवार को जैश–ए–मोहम्मद के दो आतंकी ढेर किए थे। पुलवामा मुठभेड़ के बारे में पुलिस ने सोमवार को बताया था कि, रविवार को सूचना मिली थी कि पुलवामा के गुंडीपुर में दो आतंकी छिपे हुए हैं।

जम्मू और कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के संस्थापक भीम सिंह का निधन

जम्मू। जम्मू कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के संस्थापक और वरिष्ठ नेता भीम सिंह का जम्मू में निधन हो गया। उन्होंने आज सुबह जम्मू में अंतिम सांस ली। ८० साल के भीम सिंह काफी समय से बीमार थे। जम्मू कश्मीर के नेता सजाद लोन ने भीम सिंह की मौत पर दुख व्यक्त किया। सजाद ने ट्वीट में लिखा, एक व्यक्ति जिसके कई रोल हैं। कालातीत, निस्वार्थ और एक धर्मयोद्धा। वह मेरे पिता के सहयोगी और मित्र थे। सहारा की मोटर साइकिल पर सवार होकर फिलिस्तीन से लेकर इराक तक भीम सिंह जी के दोस्त हर तरफ थे। एक जन्मजात साहसी। उनकी आत्मा को शांति मिले। भीम सिंह का जन्म १७ अगस्त १९४१ को हुआ था। वे एक राजनीतिज्ञ, कार्यकर्ता, वकील और लेखक थे। उन्होंने १९८२ में अपनी पत्नी जय माला के साथ पैंथर्स पार्टी की स्थापना की। भीम सिंह ३० साल तक पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष रहे। २०१२ से ये कमान उनके भतीजे हर्ष देव ने संभल लिया। २०२१ में भीम सिंह एक बार फिर राजनीति में एक्टिव हुए। तब वे पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष चुने गए। २००२ के जम्मू और कश्मीर चुनावों में उनके नेतृत्व में पैंथर्स पार्टी ने उधमपुर जिले की सभी सीटों पर जीत हासिल की और गठबंधन सरकार का हिस्सा बनी। पैंथर्स पार्टी के नेता के रूप में भीम सिंह ने १९८८ के उधमपुर उपचुनाव में लोकसभा का चुनाव लड़ा और २,३७६ मतों से हारे।

डॉ. कल्पना सैनी ने भरा राज्यसभा के लिए पर्चा

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड से राज्यसभा के लिए भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी डॉ. कल्पना सैनी ने आज अपना नामांकन पत्र भर लिया है। उनके नामांकन पत्र भरने के समय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक व डॉक्टर निशंक सहित अनेक नेता मौजूद रहे।

उत्तराखंड से राज्यसभा की एकमात्र सीट से डॉ कल्पना सैनी के नामांकन पत्र भरने के साथ ही उनका राज्यसभा पहुंचना तय हो गया है। क्योंकि राज्य विधानसभा में भाजपा के पास प्रचंड बहुमत है और उनकी जीत को कोई चुनौती मिलने वाली नहीं है। डॉ कल्पना सैनी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रही है। हांलाकि इस सीट के उम्मीदवारों की सूची में पूर्व सीएम त्रिवेंद्र रावत व सीएम धामी के लिए सीट छोड़ने वाले कैलाश गहतोड़ी सहित कई लोगों के नाम थे लेकिन भाजपा ने ओबीसी वर्ग की डॉ कल्पना सैनी को अपना अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। डा. कल्पना राज्यसभा का टिकट पाकर खुश है लेकिन उत्तराखंड भाजपा का एक खेमा इस चयन से नाखुश भी है।

मुख्यमंत्री धामी भले ही डॉ कल्पना

सैनी को राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर इसे महिला सशक्तिकरण बता रहे हो और रितु खंडूरी को विधानसभा

❑त्रिवेंद्र रावत के सपने हुए चूर-चूर, भाजपा ने किया किनारा

अध्यक्ष चुने जाने की बात कहकर यह समझा रहे हो कि भाजपा हमेशा महिलाओं का सम्मान करने वाली पार्टी रही है। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने डा. कल्पना को प्रत्याशी बनाए जाने पर कहा है कि यह कल्पना से परे है।

पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत सीएम की कुर्सी से हटाए जाने के बाद से ही राजनीति के हाशिए पर है। भाजपा में अपनी उपेक्षा से उनका आहत होना स्वाभाविक ही है। चार साल मुख्यमंत्री रहने के बाद भाजपा ने उन्हें अपने कार्यकाल की चौथी वर्षगांठ का उत्सव तक मनाने का मौका नहीं दिया था। इसके बाद चुनाव में भी उन्हें अलग–थलग ही रखा गया। उन्हें टिकट न देने की चर्चा के कारण उन्होंने खुद ही चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था अब सोचा जा रहा था कि भाजपा उन्हें शायद राज्यसभा भेज दे लेकिन यह भी नहीं हो सका। ऐसा लगता है कि उन्हें लेकर भाजपा हाईकमान की गहरी नाराजगी है और वह उन्हें अब मार्गदर्शक मंडल तक सीमित रखना चाहती है।

कैंटर-एंबुलेंस की जबरदस्त टक्कर में 7 लोगों की मौत

संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक दर्दनाक सड़क हादसे की सूचना है। बरेली के फतेहगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत एम्बुलेंस और कैंटर के बीच जबरदस्त टक्कर में ७ लोगों की मौत हो गई। पुलिस मौके पर मौजूद है। सामने आई हादसे की तस्वीरों में एंबुलेंस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। वहीं कैंटर के पिछले हिस्से को नुकसान हुआ है।

इस बाबत यूपी सीएमओ कार्यालय ने बयान जारी कर मृतकों के परिवारों के प्रति शोक व्यक्त किया है। यूपी सीएमओ ने बयान में लिखा– मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बरेली में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा शोक प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

बरेली के एसएसपी रोहित सजवाण ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक एम्बुलेंस दिल्ली से आ रही थी। सुबह ६–६रू३० बजे एम्बुलेंस डिवाइडर को पार करते समय सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। एम्बुलेंस में सवार सभी ७ लोगों की मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि शवों को जिला अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला ने..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

मतदान केंद्रों पर है ही नहीं। कांग्रेस इस चुनाव में अपनी हार की संभावनाओं से बौखलाई हुई है इसलिए धांधली के झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं।

पिरान कलियर से चार साल की बच्ची का अपहरण

विशेष संवाददाता

रुड़की। पिरान कलियर में आज चार साल की एक बच्ची के अपहरण से सनसनी मची हुई है। बच्ची के अपहरण की यह वारदात सीसीटीवी में कैद है जिसमें एक महिला बच्ची को गोद में ले जाती दिख रही है। पुलिस अब इस महिला को तलाशने में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक चार साल की बच्ची को उसके माता पिता यहां इलाज के लिए लेकर आये थे। बच्ची गाजियाबाद की रहने वाली है। इलाज के लिए यह बच्ची जिस अस्पताल में भर्ती थी वहीं एक अन्य महिला भी इलाज के लिए आई हुई थी तथा बच्ची के बराबर वाले बेड पर उसका इलाज चल रहा था। बच्ची के परिजन किसी काम से कुछ समय के लिए बाहर गए हुए थे और लौटकर आए तो बच्ची बेड से गायब मिली। परिजनों ने उसे इधर–उधर तलाशा और जब बच्ची कहीं नहीं मिली तो घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि एक

❑अपहरणकर्ता महिला सीसीटीवी में कैद, पुलिस जांच में जुटी

महिला भी अस्पताल से गायब है।

पुलिस ने जब अस्पताल के सीसीटीवी की फुटेज को खंगाला तो एक महिला बच्ची को गोद में ले जाती दिखी। पुलिस अब इस महिला की तलाश में जुटी हुई है। महिला ने बच्ची का अपहरण क्यों किया इसका पता नहीं चल सका है।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने बाजार से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेशम माजरी निवासी प्रीतम सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अठूरवाला हाट बाजार मे सामान खरीदने के लिए गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल बाजार के बाहर खडी कर दी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चंपावत चुनावः मतदाताओं...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

उपचुनाव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी सहित कुल 4 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतदान के लिए कुल 151 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। कड़ी सुरक्षा के बीच हो रहे मतदान के दौरान कहीं से भी किसी तरह की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है और मतदान शांतिपूर्ण तरीके से जारी था।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।